चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.9.22	1	1-7

उपलब्धि

एचएयू में आयोजित कृषि मेले में सम्मानित होंगे हिसार के सलेमगढ़ निवासी डॉ. विकास, आठ साल पहले खुद के रोजगार के लिए शुरू की थी मशरूम की खेती

खेती की नई तकनीक अपनाकर डॉ. विकास बने मशरूम उत्पादन के विशेषज्ञ

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की तरफ से मंगलवार को आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले में हिसार खंड के सलेमगढ़ गांव निवासी डॉ. विकास वर्मा को मशरूम की खेती के लिए सम्मानित किया जाएगा।

पहले खुद के रोजगार के लिए मशरूम उत्पादन शुरू करने वाले डॉ. विकास आज कांट्रैक्ट फार्मिंग के विशेषज्ञ हो गए हैं। इनकी खुद की कंपनी है जो किसानों को खेती में नई तकनीक सिखाने में सहयोग देने के साथ-साथ उनसे उत्पादित मशरूम की खरीद करती है।

डॉ. विकास ने बताया कि मशरूम की खेती की दो विधियां हैं ड्राई ऑस्टर मशरूम और व्हाइट बटन मशरूम। अपने यहां अधिकांश किसान व्हाइट बटन मशरूम की खेती करते हैं।

मशरूम उत्पादक डॉ. विकास वर्मा को एचएयू में सम्मानित किया जाएगा। संवाद

30 गुना 60 फुट की जगह में व्हाइट बटन मशरूम की खेती करने में करीब पांच लाख रुपये का खर्च आता है और अधिकतम सात लाख रुपये तक किसान को मिल पाता है। पूरे साल में केवल एक फसल ही कटती है, लिहाजा किसान का काफी वक्त बेकार चला जाता है।

शुरुआत में डॉ. विकास ने भी इसी खेती को अपनाया, लेकिन 14 लाख रुपये का नुकसान होने के बाद खेती में हो रहे बदलाव को समझना शुरू किया। नई तकनीक की बारीकी समझने के बाद ड्राई ऑस्टर मशरूम की खेती शुरू की।

विकास बताते हैं कि 30 गुना 60 फुट की जगह में खेती की लागत करीब दो लाख रुपये आती है, जबकि उत्पाद की बिक्री से लगभग आठ लाख रुपये मिलते हैं। इस प्रकार खेती में लागत घटी और मुनाफा भी चार गुना बढ़ा। इससे उत्साहित होकर विकास ने कई अन्य प्रकार की खेती भी शुरू की है। खेती में नए-नए प्रयोग को देखते हुए केरल की ग्लोबल यूनिवर्सिटी से इन्हें डॉक्टरेट की मानद उपाधि मिली है। अब इनकी कंपनी किसानों को मशरूम की खेती के लिए प्रेरित करती है। किसान के खेत में उत्पादित मशरूम की खरीद भी लेते हैं, जिससे कि उन्हें दोहरा लाभ मिलता है।

किसान मेला आज, रबी बीजों की होगी विशेष व्यवस्था

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 13 सितंबर से शुरू हो रहे दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से किसानों को रबी फसलों के बीज उपलब्ध करवाने के लिए विशेष प्रबंध किए हैं।

विवि के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि किसानों को मेले में एचएयू द्वारा तैयार किए गए रबी फसलों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के साथ सरकारी बीज एजेंसियों जिनमें हरियाणा बीज विकास निगम, राष्ट्रीय बीज निगम शामिल हैं, के बीज उपलब्ध होंगे। इनके साथ-साथ सब्जियों के बीज, फलदार पौधों की नर्सरी व जैविक उर्वरकों की भी व्यवस्था होगी।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म निदेशक डॉ. एसके धनखड़ के अनुसार किसान मेले में विवि के फार्म निदेशालय और रामधन सिंह बीज फार्म द्वारा तैयार किए गए गेहूं की डब्ल्यू एच-1270, डब्ल्यू एच-1105, डब्ल्यू एच-711, डब्ल्यू एच-1124, डब्ल्यू एच-1142 व डब्ल्यू एच-1184,

एचडी-2967, एचडी-3086 व एचडी-3226, डीबी डब्ल्यू 222, डीबीडब्ल्यू 187 व डीबी डब्ल्यू 303 किस्मों के साथ-साथ सरसों की आरएच -725, आरएच -30 व आरएच -749 किस्मों, जौ की बीएच-393 व बीएच-946, चाई की एचजे-8, चने की एचसी-1, एचसी- 5 व एचसी-7 किस्मों का आधार (फाउंडेशन) व प्रमाणित (सर्टिफाइड) बीज उपलब्ध होंगे। बीज की खरीद के लिए किसानों को अपने साथ आधार कार्ड अवश्य लेकर आना होगा। मेले में इस प्रकार के करीब 250 स्टाल होंगी। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13.9.22	2	2-4

एचएयू में आज से किसान मेला शुरू

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 13 सितम्बर से शुरू हो रहे दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से किसानों को रबी फसलों के बीज उपलब्ध करवाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने बताया मेले में तैयार किए गए रबी फसलों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के साथ सरकारी बीज एजेंसियों जिनमें हरियाणा बीज विकास निगम, राष्ट्रीय बीज निगम शामिल हैं, के बीज उपलब्ध होंगे।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म निदेशक डॉ. एस.के. धनखड़ के अनुसार किसान मेले में विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय और रामधन सिंह बीज फार्म द्वारा तैयार किए गए गेहूं की डब्ल्यू. एच.-1270, डब्ल्यू. एच.1105, डब्ल्यू. एच.711, डब्ल्यू. एच.1124, डब्ल्यू. एच.1142 व डब्ल्यू. एच.1184, एच. डी.-2967, एच.डी.-3086 व एच. डी.-3226, डी.बी.डब्ल्यू. 222, डी.बी.डब्ल्यू. 187 व डी.बी.डब्ल्यू. 303 किस्मों के साथ-साथ आर. एच.-30 व आर.एच.-749 किस्मों, जौ की बी. एच.-393 व बी. एच.-946, जई की एच.जे.-8, चने की एच.सी.-1, एच.सी.- 5 व एच.सी.-7 किस्मों का आधार (फाउंडेशन) व प्रमाणित (सर्टिफाइड) बीज उपलब्ध होंगे। बीज की खरीद के लिए किसानों को आधार कार्ड अवश्य लेकर आना होगा।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय। • पीआरओ

शहरवासियों के भी आकर्षण का केन्द्र रहता है मेला

किसान मेला न केवल किसानों, कृषि से जुड़े व्यापारियों के आकर्षण का केंद्र रहता है बल्कि शहर वासी भी इसको देखने के लिए भारी संख्या में आते हैं। मेले में विभिन्न प्रकार के फलों के पौधे, सब्जियों के बीज व किसानों द्वारा तैयार किए गए उत्पाद भी मिलते हैं जिन्हे लोग दूर-दूर से लेने आते हैं। मेले में हकृवि, लुवास, एमएचयू करनाल व हरियाणा सरकार के कृषि व पशुपालन आदि विभागों के साथ प्राइवेट कंपनियां भाग लेंगी और कृषि मशीनों व यंत्रों, कीट नाशकों, उर्वरकों जैसे उत्पाद प्रदर्शित करेंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	13.9.22	5	1-3

हकृवि में कल शुरू हो रहे किसान मेला में रबी बीजों की होगी विशेष व्यवस्था

हिसार, 12 सितंबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 13 सितम्बर से शुरू हो रहे दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से किसानों को रबी फसलों के बीज उपलब्ध करवाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया किसानों को मेले में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किए गए रबी फसलों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के साथ सरकारी बीज एजेंसियों जिनमें हरियाणा बीज विकास निगम, राष्ट्रीय बीज निगम शामिल हैं, के बीज उपलब्ध होंगे। इनके साथ-साथ सब्जियों के बीज, फलदार पौधों की नर्सरी व जैविक उर्वरकों की भी व्यवस्था होगी।

किसानों को बीजों के लिए आधार कार्ड लाना होगा

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म निदेशक डॉ. एस.के. धनखड़ के अनुसार किसान मेले में विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय और रामधन सिंह बीज फार्म द्वारा तैयार किए गए गेहूं की डब्ल्यू.एच.-1270, डब्ल्यू.एच.1105, डब्ल्यू.एच.711,

शहरवासियों के भी आकर्षण का केन्द्र रहता है मेला

डब्ल्यू.एच.1124, डब्ल्यू.एच.1142 व डब्ल्यू.एच. 1184, एच.डी.-2967, एच.डी.-3086 व एच.डी.-3226, डी.बी.डब्ल्यू. 222, डी.बी.डब्ल्यू. 187 व डी.बी.डब्ल्यू. 303 किस्मों के साथ-साथ सरसों की आर.एच.-725, आर.एच.-30 व आर.एच.-749 किस्मों, जौं की बी.एच.-393 व बी. एच.-946, जई की एच.जे.-8, चने की एच.सी.-1, एच.सी.- 5 व एच.सी.-7 किस्मों का आधार (फाउंडेशन) व प्रमाणित (सर्टिफाइड) बीज उपलब्ध होंगे। बीज की खरीद के लिए किसानों को अपने साथ आधार कार्ड अवश्य लेकर आना होगा।

शहरवासियों के भी आकर्षण का केन्द्र रहता है मेला

किसान मेला न केवल किसानों, कृषि से जुड़े व्यवसायिओं के आकर्षण का केन्द्र रहता है बल्कि शहर वासी भी इसको देखने के लिए भारी संख्या में आते हैं। मेले में विभिन्न प्रकार के फलों के पौधे, सब्जियों के बीज व किसानों द्वारा तैयार किए गए उत्पाद भी मिलते हैं जिन्हें लोग दूर-दूर से लेने आते हैं। इस मेले में हकृवि, लुवास, एमएचयू करनाल व हरियाणा सरकार के कृषि व पशुपालन आदि विभागों के साथ प्राइवेट कंपनियां भाग लेंगी और कृषि मशीनों व यंत्रों, कीट नाशकों, उर्वरकों जैसे उत्पाद प्रदर्शित करेंगी। किसान मेले में इस प्रकार के करीब 250 स्टॉल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.9.22	3	6-7

एचएयू में किसान मेला आज से रबी की फसलों के बीज मिलेंगे

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 13 सितम्बर से शुरू हो रहे दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) में विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसानों को रबी फसलों के बीज उपलब्ध करवाने के लिए विशेष प्रबंध किए हैं।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया किसानों को मेले में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किए गए रबी फसलों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के साथ सरकारी बीज एजेंसियों जिनमें हरियाणा बीज विकास निगम, राष्ट्रीय बीज निगम शामिल हैं, के बीज उपलब्ध होंगे। इनके साथ सब्जियों के बीज, फलदार पौधों की नर्सरी व जैविक उर्वरकों की भी व्यवस्था होगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म निदेशक डॉ. एसके धनखड़ के अनुसार बीज की खरीद के लिए किसानों को अपने साथ आधार कार्ड अवश्य लेकर आना होगा।